

किस्म मुकहमा

नम्बर

तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय इनीसीयल जज	नंबर व तारीख अहकाम जो हुकम की लागू जारी हुए
14 <sup>3</sup> / <sub>18</sub>	पत्रावली पेश हुई। पिछलीन अधिका. महे. राजकीय दारे पर होने ले पत्रावली वाले साक्ष्यकारी दि. 18 <sup>4</sup> / <sub>18</sub> को पेश हो।	
19 <sup>4</sup> / <sub>18</sub>	सबकाश होने से 12 <sup>4</sup> / <sub>18</sub> पत्रावली पेश हुई। वकुलेन फरीकन उपस्थित। कारी इधिकरता द्वारा साक्ष्य हेतु एक और अवर जाहट गया. पूर्व में अतिम अवर दिया जा चुका है अतः अहित से 20/12 कोर्ट पर अवर दिया जाकर पत्रावली वाले साक्ष्यकारी दि. 9/5/18 को पेश हो।	
45 <sup>5</sup> / <sub>18</sub>	न्याय आपके कार शिक्ति अडॉर में पत्रावली तलकी पर पेश हुई। फरकाराने उपस्थित। कारी द्वारा साक्ष्य में गवाहन PW-1 वेलनी PW-2 लालनी PW-3 धुलनी के अथान लेखेंकड कराये गये। अन्य कोई साक्ष्य उत्पन्न नहीं काना जाहा। पत्रावली में उपलब्ध रेकोर्ड को उदर्श कराया गया। प्रसिकरी मुभिधारी	

SDO

तारीख हुक्म

नंबर व तारीख  
अहकाम जो इस  
हुक्म की तारीख में  
जारी हुए

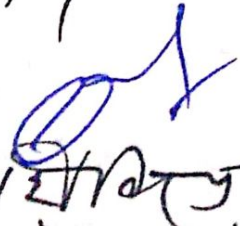
तहसीलदार आलपुर द्वारा इस  
सम्बन्ध में कोई लाख्य उत्पन्न  
नहीं की गई। परसकारान  
की मजबूत-आम में परसकारान  
गई। परसकारान द्वारा बाद  
वर्षित भूमि पर अपना कब्जा  
होना बताया गया तथा बाद  
ग्रस्त भूमि पर अपने पूर्वजों  
के लम्हा ले जाते दारी होना  
तथा सेलमेण्ट विभाग द्वारा  
बाद वर्षित भूमि को बिलनाम  
आराजीयत में सम्मिलित  
कर देना बताया गया एवम्  
सेलमेण्ट विभाग उक्त भूमि  
का रददो खडल करने का  
अधिकारी नहीं होना बताया

बाद वादीगणस्वीकार किया  
जाकर ग्राम खडोदा के संकल  
1982 से 1991 में खसरा नम्बर  
1856 रकबा 1.18 बीघा, 1862 रकबा  
0.07 बीघा 1860 रकबा 1.16 बीघा  
1864 रकबा 1.17 बीघा 1858 रकबा  
1.17 बीघा 3534 रकबा 1.10 बीघा  
1857 रकबा 3.19 बीघा 1861 रकबा  
0.11 बीघा, 1859 रकबा 0.18 बीघा  
1863 रकबा 0.16 बीघा 3530  
रकबा 0.19 बीघा कुल रकबा  
15.09 बीघा जो अंकित थी,

- तथा सेंट्रलमैजस्ट विभाग को  
उक्त भूमि का रद्दी बदल करने  
का अधिकार नहीं है। रौन्ग कलाका  
भूमिदासी तहसीलदार आलपुर  
द्वारा इस सम्बन्ध में कोई  
साक्ष्य उत्पन्न नहीं की गई।

वाद वादीगण स्विकार किया  
जाकर ग्राम बडौदा को वादग्रस्त  
आसजीकत को समस्त वादडीय  
पटेलान एवं क्षीगौड़ काह्यण बडौदा  
को खातेदार कृषक धारित किया  
जाता है उन्हे नाम दर्ज करने  
तहसीलदार आलपुर को आदेश  
दिया जाता है। प्रतिवादीगण  
को जरिये साई निषेधाज्ञा ले  
पाकद किया जाता है कि वे  
उक्त भूमि में वादीगण के  
कच्चे कश्त में कोई व्यवधान  
उत्पन्न न करें। क्लिप्ट निषि  
पत्रक से लिखा जा कर तंलान  
पत्रावली किया गया।

पत्रावली फौजदर शुभा लईड  
वमकर से कचे है।

  
धोबिजमारी  
कम्प बडौरा

राजलन  
ज लाल  
श्रीरंज  
मीना  
नाशिकर  
11/3